दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार, 12 मार्च 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 164

महत्वपूर्ण एवं खास

सीएम पद से पुष्कर सिंह धामी ने दिया इस्तीफा

- मुझे किसी पद की लालसा नहीं मैंने पार्टी की दी गई जिम्मेदारी को निभाया

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड में एक बार फिर बीजेपी की सरकार बनने वाली है। जनता ने 70 में से 47 सीटों पर बीजेपी को जीत दिलाई है। हालांकि खटीमा विधानसभा सीट से मुख्यमंत्री उम्मीदवार पुष्कर सिंह धामी हार गए हैं। इसी बीच धामी शुक्रवार को देहरादून स्थित राजभवन पहुंचे और राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से भेंट कर उन्हें अपना त्याग पत्र सौंप दिया। इस्तीफा स्वीकार करते हुए राज्यपाल ने उनसे राज्य में नए मुख्यमंत्री की नियुक्ति होने के साथ ही पदभार ग्रहण करने की अवधि तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा है। इस अवसर पर उनके साथ केबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, अरविंद पांडेय, यतीश्वरानंद, गणेश जोशी शामिल थे। धामी ने कहा कि मुझे किसी पद की लालसा नहीं है। मैंने पार्टी की दी गई जिम्मेदारी को निभाया है। धामी ने कहा, मुझे खुशी है कि उत्तराखंड की देवतुल्य जनता ने हमें बहुमत दिया है। मैंने कभी किसी पद की लालस नहीं रखी है। मैंने पार्टी नेतृत्व की ओर से दी गई जिम्मेदारी को निभाया है। आगे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी उसका पालन करूंगा। इस्तीफा देने के बाद धामी ने कहा, चूंकि हमें नया जनादेश मिला है और यह कार्यकाल पूरा हो गया है, इसलिए मैंने कैबिनेट के साथ अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। उन्होंने मुझे नई सरकार के शपथ ग्रहण तक राज्य की जिम्मेदारी संभालने को कहा है। हमें लोगों का प्यार और अभूतपूर्व परिणाम मिले हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी पार्टी और पीएम मोदी का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे लोगों की सेवा करने के लिए चुना। उत्तराखंड में पहली बार मिथक टूटा है और दो तिहाई बहुमत के साथ भाजपा ने सरकार बनाने वाली है। हम आगे भी जनता से किए सारे वादे पूरे करेंगे।

करारी हार के बाद सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने शुक्रवार को राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को अपना इस्तीफा सौंप दिया। चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि मैंने राज्यपाल को अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने मुझे और कैबिनेट को नई सरकार के शपथ ग्रहण तक कार्य जारी रखने के लिए कहा है। मैं लोगों के जनादेश को स्वीकार करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि हम पंजाब के लोगों की सेवा के लिए हमेशा मौजूद रहेंगे। हम अपना कर्तव्य निभाते रहेंगे और उनके बीच रहेंगे। मैं नई सरकार से पिछले 111 दिनों जन कल्याणकारी परियोजनाओं और योजनाओं को जारी रखने का अनुरोध करता हूं। दूसरी ओर से पंजाब के होने वाले अगले मुख्यमंत्री भगवंत मान आज आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करने वाले हैं। संगरूर से निकलने से पहले मान ने कहा, मैं अपनी पार्टी के संस्थापक अरविंद केजरीवाल से मिलने दिल्ली जा रहा हूं। पंजाब विधानसभा की 117 सीटों में से आम आदमी पार्टी ने 92 सीटों पर जीत हासिल करते हुए सत्ता तक पहुंच गई है। यह कहते हुए कि आज शाम तक शपथ ग्रहण समारोह की तारीख की घोषणा की जाएगी, नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री ने खरीद-फरोख्त की राजनीति पर भी कटाक्ष किया।

यूपी समेत चार राज्यों में भाजपा का परचम, पंजाब में खूब चली झाड़ू

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में मतगणना पूरी हो गई है। भाजपा पंजाब को छोड़कर बाकी राज्यों में सरकार बनाने जा रही है। यूपी में एक बार फिर ऐतिहासिक जीत के साथ योगी राज वापस लौट रहा है। सपा को हालांकि 2017 के मुकाबले काफी ज्यादा सीटें मिली हैं लेकिन सरकार बनाने का सपना एक बार फिर धराशायी हो गया। पंजाब में आम आदमी पार्टी बंपर जीत के साथ सरकार बना रही है। पांचों राज्यों की मतगणना में चौंकाने वाले परिणाम सामने आए हैं। राजनीतिक दलों के दिग्गज अपनी सीट हार गए।

उत्तराखंड की बात करें तो कांग्रेस के सीएम फेस हरीश रावत चुनाव हार गए हैं। उधर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कांग्रेस प्रतिद्वंदी भुवन चंद्र कापड़ी से चुनाव हार गए हैं। हालांकि इस पहाड़ी प्रदेश में भी भगवा रंग लहराया है।

पंजाब में बड़ा उलटफेर करते हुए आम आदमी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना रही है। आप के सीएम फेस भगवंत मान धुरी विधानसभा सीट से जीत चुके हैं। जबकि कांग्रेस पार्टी की बुरी दशा जारी है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी दोनों सीटों से चुनाव हार गए हैं। वहीं, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू भी अपनी सीट हार गए हैं। उन्हें आप कैंडिडेट जीवनजोत कौर ने हरा दिया है। अकाली परिवार भी इस चुनाव में बुरी हार का सामना कर रही है। पार्टी के दोनों दिग्गज प्रकाश सिंह बादल और सुखबीर सिंह बादल अपनी सीटें हार गए हैं। यहां कैप्टन अमरिंदर सिंह भी पटियाल सीट से चुनाव हार गए हैं।

उत्तराखंड में आखिरकार 20 साल का टूटा रिकॉर्ड टूट ही गया है। भाजपा प्रदेश में बहुमत के साथ उत्तराखंड में दोबारा सरकार बनाने जा रही है। हालांकि, 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के सीएम पुष्कर सिंह धामी चुनाव हार गए हैं, लेकिन भाजपा को बहुमत मिला है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने शिवसेना की भी पोल खोल दी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों से पता चलता है कि गोवा, उत्तर प्रदेश, मणिपुर में शिवसेना को नोटा से भी कम वोट मिले हैं। शिवसेना, जो एनसीपी और कांग्रेस के साथ गठबंधन में महाराष्ट्र में सत्ता में है, ने इन तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा था। यूपी में हालांकि भाजपा ने बहुमत के साथ सरकार बना ली है। लेकिन यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अपनी सीट हार गए हैं। सिराथू सीट पर सपा उम्मीदवार पल्लवी पटेल ने केशव

असम से भी भाजपा के लिए आई गुड न्यूज, सोनोवाल की छोड़ी सीट पर मिली बड़ी जीत

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम में माजुली विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार भुबन गाम ने विपक्षी दल असम जातीय परिषद (एजेपी) के उम्मीदवार चितरंजन बसुमतारी को 41,860 मतों से हरा दिया। इस तरह भाजपा ने इस सीट को बरकरार रखा। गाम को 66,573 मत मिले जबकि बसुमतारी को 24,713 मत मिले हैं। एसयूसीआई-सी के भैती रिचोंग 2,254 मतों के साथ तीसरे स्थान पर हैं जबकि नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) के लिए 1,620 मत पड़े। कांग्रेस ने उपचुनाव नहीं लड़ा और भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित न करने के प्रयास में यह सीट एजेपी के लिए छोड़ दी थी। इस सीट पर सात मार्च को उपचुनाव हुआ था। केंद्रीय मंत्री और असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के इस्तीफा देने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराने की आवश्यकता पड़ी। सोनोवाल पिछले साल 27 सितंबर को राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। गाम ने अपनी जीत के बाद कहा, मैं माजुली के लोगों का बहुत आभारी हूं। यह मेरी जीत नहीं बल्कि उनकी जीत है। मैं अपने पार्टी नेतृत्व, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और राज्य इकाई के अध्यक्ष भाबेश कलिता का मुझ पर विश्वास करने के लिए आभारी हूं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सत्तारूढ़ गठबंधन में विश्वास जताने के लिए माजुली के लोगों को धन्यवाद दिया। सरमा ने ट्वीट किया, माजुली विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में भाजपा के उम्मीदवार भुबन गाम की बड़ी जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के एजेंडे और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के उनके दृष्टिकोण में जनता के विश्वास को दर्शाती है।

अमरनाथ यात्रा पर तीर्थयात्रियों को मिलेगा रेडियो टैग कार्ड

जम्मू (आरएनएस)। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और वाहनों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए इस वर्ष की तीर्थ यात्रा के दौरान रेडियो फ्रीचेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) के उपयोग का सुझाव दिया है। जम्मू संभागीय आयुक्त राघव लंगर ने संबंधित उपायुक्तों और संबंधित विभागों की बैठक में आगामी श्री अमरनाथ यात्रा 2022 की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। एसएएसबी के अतिरिक्त सीईओ ने बताया कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, बोर्ड ने इस साल तीर्थयात्रा के दौरान वाहनों और यात्रियों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए रेडियो फ्रीचेंसी आइडेंटिफिकेशन का उपयोग करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, सभी तीर्थयात्रियों को आरएफआईडी टैग कार्ड जारी किए जाएंगे। इसके अलावा भगवती नगर में यात्री निवास, शौचालय परिसर और लंगर शेड के नवीकरण और साफ-सफाई का काम शुरू करने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त सीईओ, एसएएसबी ने बैठक में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया कि श्राइन बोर्ड द्वारा चंदरकोट में 3000 बिस्तरों वाले यात्री निवास का निर्माण किया गया है जो केंद्रशासित प्रदेश सरकार की तीर्थयात्रियों की क्षमता को बड़ा बढ़ावा देगा। कोविड-19 महामारी के कारण वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा 2020 और 2021 प्रतीकात्मक आधार पर आयोजित की गई थी, इसलिए इस वर्ष तीर्थयात्रियों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में अधिक होने की उम्मीद है। इसी को ध्यान में रखते हुए संभागीय आयुक्त ने उपायुक्तों को अपने-अपने जिलों में आवास क्षमता बढ़ाने का निर्देश दिया। उपायुक्तों को अपने संबंधित जिलों में लंगर और भक्तों के आवास, वाहनों के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान करने के लिए निर्देश दिये गए हैं।

बंगाल की खाड़ी में बना साइक्लोनिक, कई राज्यों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली (आरएनएस)। मार्च का दूसरा हफ्ता शुरू होते ही मौसम का मिजाज बदल गया है। देश के कई इलाकों में अब तापमान बढ़ने लगे हैं। इसी बीच मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बन रहा है। हालांकि राहत की बात ये है कि कम दबाव का ये क्षेत्र श्रीलंका की तरफ बढ़ेगा। इसके बावजूद भी दक्षिणी और तटीय इलाकों में इसका असर दिख सकता है।

इसके बाद ये सिस्टम श्रीलंका और मन्नार की खाड़ी में आगे बढ़ सकता है। इसके चलते 12 और 13 मार्च के आसपास तमिलनाडु के दक्षिणी तटीय भागों में कुछ बारिश हो सकती है। ये मौसमी सिस्टम भूमध्य रेखा के करीब है। लिहाजा कहा ये भी जा रहा है कि इसका कोई खास प्रभाव नहीं दिखेगा।

स्काईमेट वेदर के मुताबिक लद्दाख और आसपास के इलाकों में वेस्टर्न डिस्टरबेंस बना हुआ है जो धीरे-धीरे पूर्व की तरफ आगे बढ़ रहा है। एक निम्न दबाव की रेखा केरल से आंतरिक कर्नाटक होते हुए उत्तरी मध्य महाराष्ट्र तक फैली हुई है। साथ ही एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र दक्षिण-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है।

अगले 24 घंटों के दौरान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दक्षिणी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही एक दो स्थानों पर भारी बारिश की भी संभावना है। केरल के कुछ हिस्सों, तटीय कर्नाटक और मध्य महाराष्ट्र के एक या दो हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। कहा जा रहा है कि देश के पश्चिम इलाकों में अगले 2-3 दिनों के दौरान तापमान में बढ़त देखी जा सकती है। अगले 48 घंटों के दौरान देश के मैदानी इलाकों में उत्तर-पश्चिमी दिशा से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

उधर राजस्थान में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के चलते पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के कुछ इलाकों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटे में मेघ गर्जन के साथ कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। चित्तौड़गढ़ के बेगू में सर्वाधिक 3 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं भीलवाड़ा के बिजोलिया में 2 सेंटीमीटर, कोटा के मंडला में 1 सेंटीमीटर, चूरू के सुजानगढ़ में एक सेंटीमीटर, नागौर के मकराना में एक सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई।

हरदीप सिंह ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय स्वच्छता पखवाड़ा के पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज विजेताओं को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार प्रदान किए। पुरी ने आज मंत्रालय के वार्षिक प्रकाशन भारतीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सांख्यिकी 2020-21 का भी विमोचन किया। यह आंकड़ों का एक भंडार है जो कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के अन्वेषण, उत्पादन, शोधन, परिवहन एवं विपणन, आयात और निर्यात सहित भारत के तेल और गैस क्षेत्र की एक समग्र तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पुरी ने विजेताओं और कार्यक्रम के प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी केंद्रीय कार्यक्रमों में स्वच्छता महज एक योजना से बढ़कर है। इसके न केवल भौतिक लक्ष्य हैं, बल्कि यह स्वच्छता के बारे में उच्च चेतना पैदा करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि तेल और गैस क्षेत्र के हितधारकों ने अपने काम में इस दर्शन को समझ लिया है और उनका परिसर अब शीर्ष श्रेणी का हो गया है। पुरी ने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान के लिए इस क्षेत्र की सराहना भी की। केंद्रीय मंत्री ने देश को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए और अधिक प्रयास करने पर जोर दिया। पुरी ने विश्वसनीय डेटा तैयार करने और इसे सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया, ताकि इसका उपयोग अनुसंधान और विश्लेषण के लिए किया जा सके।

इस स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन तेल और गैस सीपीएसई और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संबद्ध कार्यालयों द्वारा पिछले साल 1-15 जुलाई के दौरान किया गया था। स्वच्छ भारत अभियान और भारत को स्वच्छ, हरा-भरा और स्वस्थ बनाने के लिए पेट्रोलियम क्षेत्र की बिरादरी को उनकी सक्रिय भागीदारी और योगदान के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पखवाड़ा के स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और अधिक प्रभावी परिणाम सुनिश्चित करने के लिए पखवाड़े के दौरान बेहतर प्रदर्शन के लिए स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार गठित किए गए हैं। कार्यक्रम में अपने प्रदर्शन के आधार पर आईओसीएल पहले, ओएनजीसी दूसरे और एचपीसीएल कंपनी तीसरे स्थान पर रही।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के नेतृत्व में इस पहल के दौरान 2 लाख से अधिक स्वच्छता किट, लगभग 3 लाख मास्क और लगभग 1.1 लाख पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) थैले वितरित किए गए। इस दौरान लगभग 1.3 लाख पेड़ लगाए गए और जगह-जगह 7 हजार से अधिक कूड़ेदान लगाए गए। पखवाड़ा के दौरान 40 प्लास्टिक कचरा संग्रहण केंद्र स्थापित किए गए और 4000 से अधिक ऑनलाइन आंतरिक और बाहरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 70 हजार लोगों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में सेना का चीता हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में भारतीय सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। सुरक्षा बलों के तलाशी दल हेलिकॉप्टर के चालक दल के बचाव के लिए रवाना हो गए हैं। बताया जा रहा है कि यह विमान हादसा गुरेज के बर्फीले इलाके में हुआ है। इस इलाके में काफी समय से बर्फबारी हो रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह हासदा आज दोपहर करीब 12 बजे बरौम गुरेज में हुआ। हेलिकॉप्टर पर सवार पायलट और सह पायलट के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। रक्षा विभाग के अधिकारी ने कहा कि इस दुर्घटना के बारे में विवरण जुटाए जा रहे हैं। दुर्घटना की सूचना मिलने के तत्काल बाद ही बचाव अभियान शुरू कर दिया गया।

बीते महीने (फरवरी, 26) तेलंगाना के नलगोंडा जिले में हेलिकॉप्टर क्रैश में दो पायलट की मौत हो गई थी। हेलिकॉप्टर हवा में बेकाबू होकर खेत में क्रैश हो गया था। घटना के समय विमान में एक पायलट और एक प्रशिक्षु पायलट सवार थे। तेलंगाना पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में एक पायलट की मौत मौके पर हो गई थी, जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ा।

आरोपियों की सजा बढ़वाने को लेकर कोर्ट पहुंची आयुषी

इंदौर (आरएनएस)। शहर के बहुचर्चित भय्यू महाराज सुसाइड केस में तीन साल में फैसला आने के बाद भय्यू महाराज की पत्नी आयुषी गुरुवार को हाईकोर्ट पहुंची। आयुषी ने आरोपी पलक, शरद और विनायक की सजा बढ़ाने की मांग को लेकर याचिका दायर की है। याचिका पर संबंधितों को नोटिस जारी किए गए हैं। केस में अब 23 मार्च को हाईकोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई करेगी। आयुषी ने याचिका के माध्यम से कहा है कि जिन धारा में सजा सुनाई गई है, उसमें दस साल तक की सजा दी जा सकती थी। ऐसे में छह साल की सजा कम है, लिहाजा उन्हें ज्यादा से ज्यादा सजा दी जाए। इस पर इंदौर हाईकोर्ट ने संबंधित मुजरिमों व तेजाजी नगर पुलिस को नोटिस जारी किए हैं। भय्यू महाराज ने 12 जून 21018 को खुद अपने सिर में गोली मारकर खुदकुशी कर ली थी। इसके बाद 28 जनवरी 2012 को कोर्ट ने तीनों आरोपियों को छह-छह साल की सजा सुनाई थी। इस मामले में गुरुवार यानी दस मार्च 2022 को भय्यू महाराज की पत्नी आयुषी ने कोर्ट में याचिका दायर कर आरोपियों की सजा बढ़ाने की मांग की है। 28 जनवरी को मामले में जिला कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेन्द्र सोनी ने शिष्या पलक, मुख्य सेवादार विनायक, ड्राइवर शरद को दोषी ठहराया था। वहां तीनों को छह-छह साल कैद की सजा सुनाई है। पहले ही ये तीनों 1105 दिन जेल में रह चुके हैं। यानी आधी सजा पहले ही काट चुके हैं। इसलिए उन्हें सिर्फ तीन साल और जेल में रहना होगा। जेल में बंद तीन मुजरिमों ने भी हाईकोर्ट में अर्जियां दाखिल कर अपील की सुनवाई पूरी होने तक उन्हें जमानत पर छोड़े जाने की मांग की है। इस पर अभी सरकार का जवाब नहीं आया है। अब अगली तारीख पर सरकार को भी इस संबंध में जवाब देने को कहा गया है।

एनएचपीसी ने सरकार को 933.61 करोड़ के अंतरिम लाभांश का किया भुगतान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार के 'मिनी रत्न' श्रेणी-ढ्ढ के उपक्रम भारत की प्रमुख पनबिजली कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड ने चार मार्च, 2022 को सरकार को वित्तवर्ष 2021-22 के लिये 933.61 करोड़ रुपये के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया। एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एके सिंह ने लाभांश अदायगी की बैंक रसीद विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह को सौंपी। इस अवसर पर विद्युत सचिव आलोक कुमार, एनएचपीसी की तरफ से निदेशक (तकनीकी) वाईके चौबे, निदेशक (वित्त) आरपी गोयल, कार्यकारी निदेशक (वित्त) केके गोयल और कार्यकारी निदेशक (वित्त) संजय कुमार मदान उपस्थित थे।

एनएचपीसी कंपनी पहले ही भारत सरकार को वित्तवर्ष 2020-21 के लिये अंतिम लाभांश की मद में मौजूदा वित्तवर्ष 2021-22 के दौरान 249.44 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। इस तरह, एनएचपीसी ने वित्तवर्ष 2021-22 के दौरान भारत सरकार को कुल 1183.05 करोड़ रुपये का लाभांश चुका दिया है।

कंपनी के निदेशक-मंडल ने 11 फरवरी, 2022 को बुलाई गई अपनी बैठक में प्रति इक्विटी शेयर के 1.31 रुपये की दर से अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की थी। इस तरह यह प्रत्यक्ष मूल्य का 13.10 प्रतिशत बैठता है। एनएचपीसी के पास इस समय आठ लाख से अधिक शेयरहोल्डर हैं तथा वित्तवर्ष 2021-22 के लिये अंतरिम लाभांश की कुल देय रकम 1315.90 करोड़ रुपये बैठती है। कंपनी ने प्रति शेयर पर 1.25 रुपये का अंतरिम लाभांश दिया है। इस हिसाब से वित्तवर्ष 2020-21 के लिये कुल रकम 1255.63 करोड़ रुपये बनती है। यह कुल रकम 351.58 करोड़ रुपये के हिसाब से 0.35 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश के अतिरिक्त है। इस तरह, वित्तवर्ष 2020-21 के लिये प्रति शेयर पर 1.60 रुपये के कुल लाभांश के आधार पर 351.58 करोड़ रुपये की कुल रकम जारी की गई।

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के पूंजी नवीनीकरण के बारे में निवेश एवं लोक सम्पत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) की 27 मई, 2016 के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी उपक्रमों को कर उपरान्त लाभ (पीएटी) के 30 प्रतिशत या निवल मूल्य के पांच प्रतिशत की दर से, इनमें से जो भी अधिक हो, अधिकतम वार्षिक लाभांश देना है। उपरोक्त दिशा-निर्देशों के अनुसार एनएचपीसी ने वित्तवर्ष 2020-21 के लिये कंपनी के निवल मूल्य के 5.08 प्रतिशत के बराबर, यानी 1607.21 करोड़ रुपये का कुल लाभांश दे दिया है।

वित्तवर्ष 2022 के समापन के नौ महीनों के दौरान एनएचपीसी ने 2977.62 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में शुद्ध लाभ 2829.16 करोड़ रुपये था। कंपनी ने वित्तवर्ष 2020-21 के लिये 3233.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।